

जनसंपादकीय

घातक है ऑनलाइन
गेमिंग की बढ़ती प्रवृत्ति

रोहित माहेश्वरी



एक समय वह भी था जब बच्चों को लोक दुनियाभर में निंता जाता था। दिनभर घर से बाहर रहकर खेलने के लिए मना किया जाता था। उनके लिए घर से बाहर रहने के लिए उन्हें उड़ान भी पड़ती थी लेकिन अब सभी बदल गया है। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि बच्चे खेलने के लिए घर से बाहर ही नहीं निकल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण ऑनलाइन वीडियो गेम और स्मार्टफोन है। वीडियो गेम खेलने वाले स्मार्टफोन सात-आठ हजार रुपये तक में आसानी से मिल रहे हैं। वहीं गूगल प्लॉ-स्टोर पर मुफ्त मोबाइल गेम भी मिल जाते हैं।

दरअसल, ऑनलाइन वीडियो गेमिंग का बाजार बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है इसी से जायाचार लाल गेम्स की वजह से कई मौतें भी हो चुकी हैं। अइए जानेते हैं कुछ वीडियो गेम्स बच्चों के बारे में जो बच्चों पर कारबाहक प्रभाव डाल रहे हैं, उन्हें हिस्क बना रहे हैं और वहाँ तक की जान देने के लिए भी उक्सा रहे हैं।

ऑनलाइन गेम से पनप रहे जानलेवा खतरों को लेकर दुनियाभर में निंता जाता जा रही है। ऑनलाइन गेम की लल के शिकार बच्चों को बचाने के लिए कई देश इस समय अलर्ट मोड पर हैं। ब्राजील, चीन, वेनेजुएला, जापान और ऑस्ट्रेलिया में ऐसे गेम्स पर प्रतिवंश है, जो दिस्क स्प्रेशन की विधि विद्या के बाजार बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है इसका दुर्घटनाक। कई वीडियो गेम्स बच्चों के लिए बेहद ही खतरनाक साकित हो रहे हैं ब्लू ब्लैंक जैसे गेम्स की वजह से कई मौतें भी हो चुकी हैं। अइए जानेते हैं कुछ वीडियो गेम्स के बारे में जो बच्चों पर कारबाहक प्रभाव डाल रहे हैं, उन्हें हिस्क बना रहे हैं और वहाँ तक की जान देने के लिए भी उक्सा रहे हैं।

